राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 266

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 3 मार्च 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

ज्यादा आक्रामक होने के सवाल पर बिफरे कप्तान कोहली

>> 14

सरोकार

16 एकड़ के उसी खेत से अब कमा रहे 45 लाख

जींद : हरियाणा के जींद निवासी 'बेर वाले अंकल' की कहानी लोगों को जागरूक कर रही है। छोटी सी जमीन पर लगाए गए बाग ने किस्मत बदल दी।

उसी खेत से अब सालाना 45 लाख रुपये से ज्यादा कमा रहे हैं। दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

खुलेंगे सिनेमाघर, कश्मीर में गूंजेगा लाइट-कैमरा-एक्शन...

श्रीनगर : कश्मीर को बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग का हब बनाने के सरकारी प्रयास तेज हो चुके हैं। श्रीनगर के बंद पड़े सिनेमाघरों को भी जल्द खोले जाने की उम्मीद है।

माना जा रहा है कि इसी साल यह प्रयास रंग लाते दिखेंगे। (पेज-11)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

पंजाब में मुख्यमंत्री भी लोकपाल के दायरे में

चंडीगढ़ : विधानसभा चुनाव के दौरान नए और सशक्त लोकपाल का वादा कांग्रेस की कैप्टन अमरिंदर सरकार ने शर्त के साथ पूरा कर दिया है। मुख्यमंत्री अमरिंदर की अध्यक्षता में सोमवार को हुई पंजाब कैबिनेट की बैठक में नए लोकपाल बिल को मंजूरी मिल गई। मुख्यमंत्री, मंत्री व विधायक इसके दायरे में होंगे।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

लॉ छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के 11 दोषियों को ताउम्र जेल

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में लॉ छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। रांची सिविल कोर्ट के न्यायायुक्त नवनीत कुमार की अदालत ने घटना को जघन्य मानते हुए कहा कि दोषियों को अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

बंदरगाहों पर सड़ रहा करोड़ों रुपये का आयातित प्याज

नई दिल्ली : पहले प्याज की कमी ने उपभोक्ताओं को परेशान किया, तो अब आयातित प्याज की हजारों टन की खेप सरकारी खजाने को प्रभावित कर सकती है। तुर्की समेत कई और देशों से आयातित प्याज की बड़ी खेप विभिन्न बंदरगाहों पर सड़ रही है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

तालिबान-गनी सरकार के बीच बातचीत सबसे अहम : भारत

नई दिल्ली : अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान की तरफ से अमेरिका से किए गए समझौते से पीछे हटने के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में भारत ने कहा है कि वह पूरे हालात पर करीबी नजर बनाए हुए है। भारत ने यह भी कहा है कि अमेरिका-तालिबान समझौते के बाद तालिबान और अफगानिस्तान सरकार के बीच होने वाली बातचीत सबसे महत्वपूर्ण है।

...तो क्या सोशल मीडिया को 'अनफ्रेंड' करेंगे मोदी!

जेएनएन, नई दिल्ली

- पीएम ने ट्वीट कर रविवार से ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम को छोड़ने का दिया संकेत
- हर ओर अटकलों का दौर, भाजपा आइटी सेल ने कहा- रविवार तक इंतजार करें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीट। ट्विटर

अपने संदेश जनता तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का कुशलता से उपयोग करने वाले धुरंधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात इसी फोरम से यह एलान कर सबको चौंका दिया कि वह अगले रविवार से सभी सोशल मीडिया से हटने की सोच रहे हैं। करोड़ों फॉलोअर्स वाले इस मंच से हटने के फैसले के पीछे क्या कारण है, यह कोई बताने की स्थिति में नहीं है। माना जा रहा है कि वह एक साथ कई संदेश देना चाहते हैं। इसमें सोशल मीडिया में हाल के दिनों में आ रही नकारात्मकता, इन फोरम में दिखते रहे पक्षपातपूर्ण रवैये, समाज को इसकी लत से बचाने की कोशिश जैसी कई सोच हो सकती है।

मोदी ने सोमवार को ट्विटर पर अपने मन की बात जाहिर करते हुए कहा, 'इस रविवार से मैं फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब पर अपने सभी खातों को छोड़ने के बारे में विचार कर रहा हूं। इस बारे में जानकारी दूंगा।' इस बीच भाजपा के आइटी सेल ने लोगों से रविवार तक इंतजार करने को कहा है। मोदी के ट्वीट के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि सोशल मीडिया पर अफवाहों के फैलने से वह निराश हैं। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया को लेकर अक्सर यह सवाल भी उठता रहा है कि इसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता है और इसीलिए अराजक हो जाता है। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि भारत अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लांच कर सकता है।

बहुत लोकप्रिय हैं मोदी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोशल मीडिया पर बहुत लोकप्रिय हैं। ट्विटर पर उनके 5.33 करोड़ फॉलोअर हैं। फेसबुक पर 4.47 करोड़ लोग और इंस्टाग्राम पर 3.52 करोड़ लोग उन्हें फॉलो करते हैं।

करते रहे हैं पैरवी

यह ट्वीट बहुत चौंकाने वाला इसलिए भी माना जा रहा क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर मोदी अपनी केंद्रीय योजनाओं और सामाजिक सरोकारों को भी सोशल मीडिया के जरिये खासा प्रचारित-प्रसारित करते रहे हैं। वह कई बार सोशल मीडिया को सरकार और जनता के बीच की सबसे बड़ी कड़ी भी बता चुके हैं और इसके उपयोग को लेकर लोगों को प्रोत्साहित भी किया है।

ट्रेंड करने लगा 'नो सर'

मोदी के ट्वीट करते ही सोशल मीडिया पर हैशटैग 'नो सर' ट्रेंड करने लगा। लोग प्रधानमंत्री मोदी से सोशल मीडिया नहीं छोड़ने की अपील करने लगे। दो घंटे के भीतर ही मोदी के ट्वीट पर 68 हजार लोगों ने कमेंट कर दिया।

कांग्रेस ने साधा निशाना

मोदी के ट्वीट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया देने में देरी नहीं की। राहुल ने ट्वीट किया, 'नफरत को छोड़िए, सोशल मीडिया नहीं।' कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी को सलाह देते हुए लिखा, 'आदरणीय मोदी जी, दिल से चाहता हूं कि आप यह सुझाव अपनी ट्रोल सेना को दीजिए, जो दिन-रात लोगों को गालियां देते रहते हैं।'

दिल्ली दंगों पर संसद में हाथापाई की नौबत

मर्यादा तार-तार ▶ लोकसभा में कांग्रेस-भाजपा सदस्यों की झड़प धक्का-मुक्की तक पहुंची

दोनों सदनों में विपक्ष ने जमकर किया हंगामा, गृह मंत्री का इस्तीफा मांगा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली दंगों को लेकर सोमवार को संसद के दोनों सदनों में सरकार और विपक्ष के बीच जबर्दस्त दंगल हुआ। बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने दंगों के लिए केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग उठाई। विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी झड़प से हाथापाई तक की नौबत आ गई। सदन की गरिमा तब तार-तार हो गई, जब लोकसभा में भाजपा और कांग्रेस के सदस्यों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। इस सियासी जंग की वजह से पहले दिन दोनों सदनों की कार्यवाही ठप हो गई।

लोकसभा की बैठक शुरू होते ही जदयू सांसद वैद्यनाथ महतो को श्रद्धांजलि दी गई। इसके तुरंत बाद विपक्षी सदस्यों के दिल्ली दंगों का मामला उठाने से पहले ही स्पीकर ओम बिरला ने सदन को दो बजे तक स्थगित कर दिया। दो बजे सदन शुरू होने के बाद विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी के साथ गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करने लगे। कांग्रेस के कुछ सदस्य गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग वाला काला बैनर लिए सत्ता पक्ष की तरफ वेल में पहुंच गए। कांग्रेस के गौरव गोगोई और रवनीत बिट्टू के बैनर लेकर आने का संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी व भाजपा सांसदों ने विरोध किया और देखते-देखते हंगामा बढ़ गया।

हंगामे के बीच 'विवाद से विश्वास' बिल पर शुरू हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए जोशी ने कहा कि 1984 के दंगे भड़का कर तीन हजार लोगों को मारने वाले नसीहत न दें। दिल्ली में सबसे पहला काम है शांति बहाली। इस बीच गोगोई और बिट्टू को रोकने के लिए भाजपा के रमेश विधूड़ी और निशिकांत दूबे समेत भाजपा के कुछ सदस्य भी वेल में पहुंच गए। धीरे-धीरे दोनों पक्षों के सांसद एक दूसरे को पीछे धकेलते हुए भिड़ गए। सांसदों के बीच खींचतान को थामने के लिए केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और स्मृति ईरानी ने उग्र हुए विधूड़ी को थामने का प्रयास किया। हालात बेकाबू होता देख स्पीकर ने सदन को तीन बजे तक स्थगित कर दिया। कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी करीब दस मिनट तक दोनों पक्षों में जबर्दस्त तनाव बना रहा। विधूड़ी के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे भी उग्र होकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते देखे गए। रविशंकर और स्मृति ने फिर बचाव का मोर्चा संभाला।

लोकसभा जब तीन बजे बैठी तब विपक्ष ने फिर हंगामा शुरू किया और सदस्य वेल की ओर बढ़ने लगे। इस बार भाजपा की महिला सांसदों ने पहले ही वेल में कतारबद्ध होकर विपक्षी सदस्यों का रास्ता रोक दिया। रम्या हरिदास समेत कांग्रेस की कुछ महिला सदस्य भी इस दौरान वेल में पहुंच गईं। इस बीच भाजपा सांसद जसकौर मीणा ने रम्या हरिदास को धक्का दिया। इसको लेकर हंगामा बढ़ा तो सदन को चार बजे और फिर साढ़े चार बजे तक स्थगित किया गया। हंगामा और गतिरोध खत्म होता न देख साढ़े चार बजे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही को मंगलवार तक स्थगित कर दिया।

स्मृति ईरानी ने सदन को शर्मसार होने से बचाया पेज>>3
संसदीय समितियों की सभी बैठकों से अनुपस्थित रहे 95 सदस्य पेज>>3
दंगों पर सियासी दंगल (विचार) पेज>>8

दिल्ली हिंसा मामले पर सोमवार को लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर हंगामा किया। प्रेट्र

कांग्रेस सांसद राम्या हरिदास ने लगाया मारपीट का आरोप

कांग्रेस की सांसद राम्या हरिदास ने भाजपा की जसकौर मीणा पर मारपीट का आरोप लगाया। राम्या हरिदास को लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी स्पीकर के चैंबर में पहुंचे और राम्या ने लिखित तौर पर जसकौर मीणा के खिलाफ शिकायत की। साथ ही कहा कि महिला और दलित होने के नाते उनके साथ सदन में बार-बार ऐसा सलूक किया जा रहा। राम्या की शिकायत के बाद भाजपा ने भी अपनी महिला सांसदों के साथ कांग्रेस सदस्यों के दुर्व्यवहार की शिकायत स्पीकर से की।

राज्यसभा में भी नहीं हो पाई चर्चा

राज्यसभा में भी शून्यकाल शुरू होते ही विपक्ष ने दिल्ली दंगों और भाजपा के कुछ नेताओं के नफरत भरे बयानों का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। सभापति वेंकैया नायडू ने मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार किया मगर कहा कि सबसे पहला काम शांति बहाली का है। गुलाम नबी आजाद ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री की नाकामी की बात उठाई ही थी कि नायडू ने सदन दो बजे तक स्थगित कर दिया। दो बजे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से संबंधित बिल पर उपसभापति हरिबंस ने चर्चा शुरू कराई, मगर कांग्रेस के साथ-साथ सपा, एनसीपी, द्रमुक, आप, टीएमसी आदि सभी दल दिल्ली के भयावह दंगों में हुई मौतों का मामला उठाते हुए गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करने लगे। कांग्रेस के कुछ सदस्य तो बिल पर बोल रहे मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के माइक के पास जाकर जोरदार नारेबाजी करने लगे। इसकी वजह से निशंक को तीसरी पंक्ति में अपने कागजात लेकर भागना पड़ा। हंगामा थमता नहीं देख उपसभापति ने राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी। इस बीच कांग्रेस ने राज्यसभा में अपने सभी सदस्यों को मंगलवार को मौजूद रहने को कहा है।

बड़ी पीठ में नहीं भेजा जाएगा अनुच्छेद 370 का मामला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के राष्ट्रपति के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ही सुनवाई करेगी। कोर्ट ने मामले को विचार के लिए सात न्यायाधीशों की बड़ी पीठ को भेजने की मांग खारिज कर दी है। पांच न्यायाधीशों की पीठ ने मांग खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि जिन दो पूर्व फैसलों को एक दूसरे का विरोधाभासी बताते हुए मामले को बड़ी पीठ को भेजने की मांग की जा रही है वे फैसले विरोधाभासी नहीं हैं। इसलिए मामले को बड़ी पीठ को भेजने की जरूरत नहीं है।

यह आदेश जस्टिस एनवी रमना, संजय किशन कौल, आर. सुभाष रेड्डी, बीआर गवई और सूर्यकांत की पीठ ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने को चुनौती देने वाली तीन याचिकाकर्ताओं की मांग खारिज करते हुए सुनाया। वैसे तो अनुच्छेद 370 को बहुत सी याचिकाओं में चुनौती दी गई है और सभी मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, लेकिन तीन याचिकाकर्ताओं गैरसरकारी संस्था पीयूसीएल (पीपुल्स यूनियन ऑफ सिविल लिबर्टीज), जम्मू एंड कश्मीर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और एक हस्तक्षेप अर्जीकर्ता ने मांग की थी कि पूर्व में दिए गए फैसले प्रेमनाथ कौल बनाम जम्मू एवं कश्मीर (1959) और संपत प्रकाश बनाम जम्मू एवं कश्मीर (1970) एक दूसरे के विरोधाभासी हैं।

दोनों फैसलों को विरोधाभासी बताया पेज>>3

निर्भया के गुनहगारों की एक बार फिर टली फांसी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- आज होनी थी फांसी, कोर्ट ने अगले आदेश तक टाली
- पवन के दया याचिका दायर करने के बाद कोर्ट ने दिया आदेश

निर्भया सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में चारों दोषियों के खिलाफ जारी डेथ वारंट अदालत ने अगले आदेश तक टाल दिया है। लिहाजा मंगलवार (3 मार्च) को फांसी नहीं दी जा सकेगी। इस मामले में अदालतों में सुनवाई के कारण सोमवार को दिनभर संशय बना रहा। पटियाला हाउस की एक अदालत ने पहले सत्र में डेथ वारंट पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पवन गुप्ता की क्यूरेटिव याचिका खारिज कर दी थी। इसके तुरंत बाद पवन की तरफ से दया याचिका दायर कर दी गई, जिसके बाद अदालत के दूसरे सत्र में अतिरिक्ति सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने डेथ वारंट टालने का आदेश दिया।

दोषी पवन और अक्षय ने अर्जी दायर कर मांग की थी कि 3 मार्च के लिए जारी डेथ वारंट पर रोक लगाई जाए, क्योंकि उनकी याचिकाएं विचाराधीन हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने इस पर तिहाड़ प्रशासन से जवाब मांगा था। बहस के दौरान लोक अभियोजक ने दलील दी कि जब एक बार अक्षय की दया याचिका खारिज हो चुकी है, तो उसने फिर से क्यों दायर की? पवन ने भी अब क्यूरेटिव याचिका दायर की है, जबकि हाई कोर्ट से दिया गया समय भी पूरा हो चुका है। इस पर जज ने एपी सिंह से जवाब मांगा।

लंच के बाद सुनाया अदालत ने फैसला पेज>>6

कोरोना वायरस ने दिल्ली में भी दी दस्तक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- राजस्थान और तेलंगाना में भी एक-एक व्यक्ति घातक वायरस से संक्रमित
- दिल्ली, जयपुर के मरीज इटली से जबकि तेलंगाना का मरीज दुबई से लौटा

तेलंगाना के हैराबाद स्थित गांधी अस्पताल में कोरोना वायरस के आइसोलेशन वार्ड के बाहर चिकित्सक। प्रेट्र

घातक रूप से संक्रामक कोरोना वायरस ने राजधानी दिल्ली में दस्तक दे दी है। इटली से लौटने वाला एक व्यक्ति जांच में कोरोना वायरस से ग्रसित पाया गया है। इसके साथ ही एक दूसरा व्यक्ति तेलंगाना में कोरोना वायरस से पीड़ित मिला है, जो दुबई से लौटा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बताया कि दोनों का अस्पताल में अलग-थलग कर इलाज शुरू कर दिया गया है। जबकि कोरोना से संक्रमित तीसरे व्यक्ति की पहचान राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक इटली के नागरिक के रूप में हुई है। दूसरी बार की जांच में उसे पॉजिटिव यानी संक्रमित पाया गया।

कोराना वायरस से ग्रसित दो नए मरीजों की जानकारी देते हुए सोमवार को हर्षवर्धन ने बताया कि दिल्ली और तेलंगाना के मरीजों ने खुद ही आगे आकर कोरोना वायरस की जांच के लिए कहा। जांच में वायरस से ग्रसित पाए जाने के बाद सरकारी अस्पताल में अलग-थलग रखकर इलाज शुरू कर दिया गया है।

दूसरी ओर, आइएएनएस समाचार एजेंसी के अनुसार तेलंगाना के पहले कोरोना से पीड़ित मरीज की उम्र 24 साल है और उसका इलाज सरकारी गांधी अस्पताल में चल रहा है। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री ई.राजेंदर ने बताया कि सॉफ्टवेयर टेकी अपनी कंपनी के काम से दुबई गया था और वहां हांगकांग के कुछ लोगों के संपर्क में आ गया। वह 22 फरवरी को बेंगलुरु से हैदराबाद आया और बुखार से पीड़ित था। उसने पहले सिकंदराबाद के अपोलो अस्पताल में पांच दिन इलाज कराया। वहां आराम न मिलने पर उसे गांधी अस्पताल के लिए रेफर किया गया। उसके नमूने जांच के लिए पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजे गए। प्रशासन उन 80 लोगों की पहचान कर रहा है, जो अब तक उसके संपर्क में आ चुके हैं।

हालांकि इससे पहले, संक्रमित व्यक्तियों की गोपनीयता का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने उनकी पहचान और उनके अस्पताल के बारे में कुछ भी बताने से इन्कार कर दिया। लेकिन भारत आने के बाद घर, दफ्तर और अन्य जगहों पर उनके संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान का काम शुरू कर दिया गया है। हर्षवर्धन ने कहा कि इन लोगों की पहचान कर उन्हें 28 दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा। दरअसल कोरोना वायरस व्यक्ति से व्यक्ति के बीच फैलता है। ऐसे में ग्रसित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों में इसके फैलने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। (पेज-7 भी देखें)

बड़ी परेशानी

इंडिया रेटिंग्स ने जताई एनपीए बढ़ने की आशंका, एक-चौथाई कर्ज डूब जाने का डर

आर्थिक सुस्ती से 10 लाख करोड़ रुपये के कर्ज दांव पर

मुंबई, प्रेट्र : सरकार पिछले कुछ समय से सुस्त चल रही इकोनॉमी को रफ्तार देने की हरसंभव कोशिश कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) और सरकार दोनों की कोशिश है कि बैंक कर्ज बांटने में सतर्कता भले बरतें, लेकिन जरूरतमंद उद्योग को बिना किसी परेशानी के कर्ज मिले। ऐसे माहौल में रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स की एक रिपोर्ट कहती है कि इकोनॉमी की पहले से सुस्त रफ्तार को कोरोना वायरस का फैलता असर और सुस्त कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इसके चलते कॉरपोरेट जगत के 10.5 लाख करोड़ रुपये पर एनपीए में तब्दील होने का संकट मंडराने लगा है। इंडिया रेटिंग्स ने कहा है कि आर्थिक सुस्ती के चलते कंपनियां अगले तीन वर्ष के दौरान 10.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने में चूक सकती हैं।

इंडिया रेटिंग्स का कहना है कि आर्थिक सुस्ती के चलते कंपनियां इस वक्त जिन दबावों का सामना कर रही हैं, उसके अगले कुछ समय तक जारी रहने की आशंका है। एजेंसी ने का कहना है कि कॉरपोरेट जगत पर इस वक्त जितना कर्ज है, उसमें से 10.5 लाख करोड़ रुपये के डिफॉल्ट होने की आशंका है। यह रकम उद्योग जगत के कुल कर्ज का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है।

इंडिया रेटिंग्सर के मुताबिक अगर जीडीपी ग्रोथ रेट में और गिरावट आती है तो डूबने वाला कर्ज 5.59 परसेंट तक पहुंच सकता है। हालांकि रिपोर्ट कहती है कि ग्रोथ रेट सुधरकर सात परसेंट तक रहने की स्थिति में डूबने वाला कर्ज 3.13 परसेंट के स्तर तक नीचे आ सकता है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष (2019-20) की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान जीडीपी ग्रोथ रेट 4.7 परसेंट रही थी, जो सात वर्षों का निम्न स्तर है। एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष के दौरान पांच परसेंट ग्रोथ रेट का अनुमान लगाया है। सोमवार को ही अग्रणी रेटिंग एजेंसी फिच ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए देश की आर्थिक विकास दर का अनुमान घटा दिया है। फिच को इस महीने के आखिर में खत्म होने वाले वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर 4.9 प्रतिशत पर सिमटने का अंदेशा है।

ऐसे लगाया अनुमान : एजेंसी ने कंपनियों के असेट का मूल्यांकन करने के बाद शीर्ष 500 कर्जदाताओं के विश्लेषण के जरिये यह रिपोर्ट तैयार की है। इसके लिए एजेंसी ने 11 सेक्टर्स की असेट गुणवत्ता को परखने की कोशिश की है। इनमें रियल एस्टेट, पावर, ऑटो और इसका सहायक क्षेत्र, टेलीकॉम सेक्टर शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान करीब 25 परसेंट कर्ज डूबने की आशंका है। इससे वित्त वर्ष 2021-22 तक सिस्टम में मौजूद कुल कर्ज का चार परसेंट हिस्सा डूब सकता है।

मुसीबत

- पहले से सुस्त घरेलू इकोनॉमी पर पड़ी है कोरोना की मार
- तीसरी तिमाही के दौरान ग्रोथ रेट सात वर्षों के निचले स्तर पर

प्रतीकात्मक फोटो

अफवाह फैलाने वालों पर भी शिकंजा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- उपद्रव की अफवाह फैलाने के मामले में 40 लोग पकड़े गए
- गृह मंत्री शाह से मिले बैजल, हिंसाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया

राजधानी में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने उपद्रवियों के साथ ही अब अफवाह फैलाने वालों पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस मामले में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उधर, सोमवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव के साथ दंगे में सबसे ज्यादा प्रभावित शिव विहार का जायजा लिया। बाद में उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। माना जा रहा है कि बैजल ने शाह को मौजूदा हालात की जानकारी दी।

रविवार शाम को दिल्ली के हर कोने में अचानक दंगा फैलने की अफवाह फैल गई थी। संवेदनशील जगहों पर मेट्रो स्टेशनों को बंद करना पड़ा था। इस दौरान पुलिस के पास हिंसा से जुड़ीं 18 सौ काल आई थीं। पुलिस ने इस मामले में मुकदमे दर्ज किए हैं। वहीं गिरफ्तार लोगों पर शांति भंग, अफवाह फैलाने, साइबर क्राइम जैसी धाराओं में कार्रवाई की गई है।

तेजी से सुधार रहे हालात : दंगा प्रभावित इलाके में हालात तेजी से सामान्य होने लगे हैं। शिव विहार, उस्मानपुर के गढ़ी मेंडू, ब्रह्मपुरी के गली नंबर एक, भजनपुरा, करावल नगर, खजूरीखास व घोंडा आदि कुछ इलाकों को छोड़ बाकी इलाके में रहने वाले लोगों की जिंदगी अब पटरी पर लौटने लगी है। दंगों के मामले में अब तक 369 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें 40 केस हत्या व 44 आर्म्स एक्ट के शामिल हैं। 1284 को हिरासत में लिया गया है।

हिंसा में मारे गए लोगों के शव मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। सोमवार को भी गोकलपुरी नाले से एक शव और बरामद हुआ है।

हेड कांस्टेबल रतन लाल के हत्यारोपित का मिला सुराग पेज>>2